दैनिक यशोभूमि
नया तेवर, नया कलेवर
मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

भारत के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाने की अपार संभावनाएं

यशोभूमि/प्रतिनिधि

मुंबई। एमवीआईआरडीसी वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई ने ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज के सहयोग से, भारत और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से, सीलोन चैंबर ऑफ कॉमर्स के दौरे पर आए प्रतिनिधिमंडल के साथ एक

प्रतिनिधिमंडल के साथ एक इंटरैक्टिव बैठक का आयोजन

इंटरैक्टिव बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में विभिन्न क्षेत्रों के व्यापारिक नेता, एमएसएमई, निर्यातक, उद्योग प्रतिनिधि और हितधारक एक साथ आए, ताकि सहयोग और साझेदारी के नए अवसरों का पता लगाया जा सके। मुंबई में श्रीलंका की महावाणिज्य दूत प्रियंगा विक्रमसिंघे ने कहा, हम देख रहे हैं कि श्रीलंकाई व्यवसायों में विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय उद्योग के साथ साझेदारी और जुड़ाव बढ़ाने की रुचि लगातार बढ़ रही है।

आज हमारे साथ 17 प्रमुख श्रीलंकाई उद्यमों के प्रतिनिधि मौजूद हैं, जो लॉजिस्टिक्स, पर्यटन, नवीकरणीय ऊर्जा, इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में भारतीय उद्योग के साथ व्यापारिक सहयोग को मज़बूत करने की उनकी गहरी रुचि को दर्शाता है। श्रीलंका इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक्स और वाणिज्यिक प्रवेश द्वार के रूप में अपनी भूमिका निभाता आ रहा है, और हम भारत के साथ कनेक्टिविटी और आर्थिक सहयोग को मज़बूत करने पर नए सिरे से जोर दे रहे हैं।

प्रियंगा ने कहा कि भारत, श्रीलंका के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदारों में से एक बना हुआ है और भारत-श्रीलंका मुक्त व्यापार समझौते के तहत द्विपक्षीय व्यापार लगातार बढ़ रहा है। पर्यटन और कनेक्टिविटी हमारे दोनों देशों के बीच संबंधों को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, और भारत श्रीलंका आने वाले पर्यटकों का सबसे बड़ा स्रोत बनकर उभरा है। हम अक्टूबर 2026 में होने वाले श्रीलंका आर्थिक और निवेश शिखर सम्मेलन में भारतीय व्यवसायों की अधिक से अधिक भागीदारी की उम्मीद करते हैं, क्योंकि द्विपक्षीय व्यापार और निवेश सहयोग को और अधिक मज़बूत करने की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज की वरिष्ठ निदेशक संगीता जैन ने कहा, भारत और श्रीलंका के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध बहुत गहरे हैं और व्यापार, लॉजिस्टिक्स, पर्यटन, टेक्नोलॉजी, नवीकरणीय ऊर्जा, विनिर्माण और सेवा जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और अधिक मजबूत करने की जबरदस्त संभावनाएं हैं।